By Speed Post

सत्यमेव जयते

No. Tour Report/01CP/Udaipur/2018/RU-II
Government of India
National Commission for Scheduled Tribes
****

6th floor, 'B' Wing, Lok Nayak Bhawan
Khan Market, New Delhi-110 003
Date:-24.10.2018

To

The Chief Secretary,
Government of Rajasthan,
Rajasthan Secretariat,
Jaipur, Rajasthan -302005.

Sub:-Tour Report and recommendation of Dr. Nand Kumar Sai, Hon'ble Chairperson, NCST and Shri Hari Krishna Damor, Hon'ble Member, NCST visited to District- Udaipur, Rajasthan from 06.012018 to 07.01.2018 regarding inspection of local tribal areas.

Sir,

I am directed to enclose herewith a copy of Tour Report and recommendation of Dr. Nand Kumar Sai, Hon'ble Chairperson, National Commission for Scheduled Tribes and Shri Hari Krishna Damor, Hon'ble Member, NCST, New Delhi on the above mentioned subject.

2. It is requested to furnish Action Taken Report to this Commission on recommendations made in the Report within 30 days positively.

Encl: As above

Yours faithfully,

(S.P. Meena)
Assistant Director
Tel: 24657271

Copy to:-

1. The Principal Secretary, Tribal Area Development Department, Government of Rajasthan Secretariat, Jaipur, Rajasthan.
2. The Vice Chancellor, Mohanlal Sukhadia University, University Road, Ganesh Nagar Udaipur, Rajasthan.
3. The District-Collector, District Udaipur, Rajasthan.
4. SAS, NIC, for uploading on the website of the Commission.

भारत सरकार
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, नई दिल्ली

श्री नन्द कुमार साय, माननीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की दिनांक 06–07 जनवरी, 2018 तक उदयपुर (राजस्थान) प्रवास की रिपोर्ट

दिनांक 06 जनवरी, 2018 को माननीय श्री नंद कुमार साय, अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार आयोग के सदस्य श्री एच.के. डामोर के साथ वायु मार्ग के जरिए नई दिल्ली से उदयपुर (राजस्थान) पहुंचे। महाराणा प्रताप विमानतल, उदयपुर में आदिवासी समाज के विभिन्न संगठनों के प्रमुखजनों ने उनका पारंपरिक तौर–तरीकों से आत्मीय स्वागत किया। इस मौके पर माननीय अध्यक्ष के साथ माननीय सदस्य, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग श्री एच.के. डामोर का भी स्वागत किया गया।

महाराणा प्रताप विमानतल पर स्वागत करने वालों में शामिल विभिन्न अनुसूचित जनजाति संगठन के प्रमुखजनों ने मौके पर ही ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। माननीय अध्यक्ष महोदय ने आवश्यक कार्यवाही के लिए उन्हें आश्वस्त किया। इस मौके पर राजस्थान अनुसूचित जनजाति आयोग की अध्यक्षा श्रीमती प्रकृति खराड़ी ने भी माननीय अध्यक्ष का अभिवादन किया।

महाराणा प्रताप विमानतल, उदयपुर में माननीय अध्यक्ष महोदय का स्वागत–सत्कार करते समाज के प्रमुखजन

नन्द कुमार साय/Nand Kumar Sai
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

उदयपुर सर्किट हाउस में माननीय अध्यक्ष महोदय विभिन्न संगठन प्रमुखों के साथ

उदयपुर सर्किट हाउस में आदिवासी समाज के लोगों की समस्याओं पर चर्चा करते माननीय अध्यक्ष श्री नंदकुमार साय एवं माननीय सदस्य श्री एच.के. डामोर

नन्द कुमार साय/Nand Kumar Sai
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

माननीय अध्यक्ष को आदिवासी समाज के प्रमुखजनों ने इन समस्याओं से अवगत कराया –

1. राष्ट्रीय आरक्षण का प्रतिशत केवल 7.5 होने की वजह से अखिल भारतीय सेवाओं में आदिवासी समाज के लोगों को स्थान नहीं मिल पा रहा है।
2. अनुसूचित जनजाति क्षेत्र में राजस्थान अधिनस्थ एवं मंत्रालयीन सेवा वर्ग में आरक्षण का प्रतिशत केवल 45 प्रतिशत है, जबकि राज्य में सामान्य आरक्षण का प्रतिशत 50 है, इससे अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को शासकीय सेवाओं में पर्याप्त लाभ के अवसर नहीं मिल पा रहे हैं।

   माननीय अध्यक्ष को यह भी बताया गया कि साल 2013 में यह प्रावधान किया गया था, जिसे माननीय न्यायालय ने खारिज कर दिया था, किंतु राज्य सरकार ने इस प्रस्ताव को 2016 में पुनः संशोधित कर लागू कर दिया।
3. राज्य व केंद्रीय सेवाओं में जनजातियों की आबादी के अनुपात में आरक्षण का प्रतिशत बढ़ाया जाए।
4. राजस्थान राज्य की प्रथम श्रेणी सेवाओं में भी अनुसूचित जनजाति क्षेत्र के व्यक्तियों के लिए 45 प्रतिशत आरक्षण किया जावे, जैसा अधिनस्थ सेवाओं के लिए प्रावधान किया गया है।
5. मेडिकल शिक्षा के अलावा अन्य उच्च स्तरीय शिक्षा के लिए जिस तरह के प्रयास की जरूरत है, उसकी पूर्ति नहीं हो रही है, इस पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

माननीय अध्यक्ष महोदय ने समाज प्रमुखों की शिकायतों को सुनने के बाद कहा कि यह वीर आदिवासियों और भीलों की भूमि है। इसमें दो राय नहीं कि आज भी आदिवासी समाज काफी पीछे है और देश के विभिन्न हिस्सों में जनजातियों के साथ अत्याचार अब भी जारी है। संवैधानिक अधिकारों की पूर्ति नहीं हो पा रही है। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग इन बातों से अवगत है और प्रदत्त शक्तियों के माध्यम से समाज के उत्थान के लिए लगातार प्रयत्नशील भी है।

नन्द कुमार साय/Nand Kumar Sai
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

माननीय अध्यक्ष, उदयपुर में वनवासी कल्याण परिषद के प्रमुखजनों से उनकी समस्याओं से रूबरू हुए

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में आयोजित जनजाति प्रतिभा सम्मान एवं सर्व समाज शिक्षक गौरव समारोह में माननीय अध्यक्ष का स्वागत करते उदयपुर के सांसद श्री अर्जुन लाल मीणा

नन्द कुमार साय/Nand Kumar Sai
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

श्री मेवाड़ वागड़ मालवा जनजाति विकास संस्थान, उदयपुर द्वारा आयोजित जनजाति प्रतिभा सम्मान एवं सर्व समाज शिक्षक गौरव समारोह में माननीय अध्यक्ष बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर केंद्रीय जनजाति राज्य मंत्री श्री जसवंत सिंह सुमन भाई भभोरा, सांसद उदयपुर श्री अर्जुनलाल जी मीणा, पूर्व सांसद श्री रघुवीर सिंह मीणा, सदस्य राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग श्री एच.के. डामोर, श्री महेन्द्र सिंह मालवीय, विधायक एवं डॉ. जे.एस. शर्मा, कुलपति मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदलयपुर के अलावा अन्य प्रमुखजन मंचासीन हुए।

माननीय अध्यक्ष महोदय ने श्री मेवाड़ वागड़ मालवा जनजाति विकास संस्थान, उदयपुर द्वारा आयोजित जनजाति प्रतिभा सम्मान एवं सर्व समाज शिक्षक गौरव समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सभागार में उपस्थितजनों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति के जनप्रतिनिधियों को एकजुट होने की जरूरत है। जब तक समाज बिखरा रहेगा, क्रांति नहीं आ सकती। देश में अनुसूचित जनजातियों के लिए संविधान में प्रावधान है, उसकी उपयोगिता को अमल में लाने के लिए समाज के सभी लोगों को एकजुट होकर प्रयास करना जरूरी है।

नन्द कुमार साय/Nand Kumar Sai
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

समाज संगठित होगा, तभी जाकर प्रयास सार्थक परिणाम में परिवर्तित होता नजर आएगा। माननीय अध्यक्ष ने इस मौके पर सम्मान प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा, कि समाज के ये गौरव हैं और दूसरों के मिसाल है। उन्होंने कहा कि देश में इस समय बुनियादी शिक्षा चरमराई हुई है, जिसकी वजह से प्रतिभावान युवाओं की कमी होने लगी है, जिसे बदलने के लिए एड़ी–चोटी का जोर सभी जनप्रतिनिधियों को लगाना होगा, तभी सार्थक परिणाम सामने आएंगे।

7.9.18

(नन्द कुमार साय)

नन्द कुमार साय/Nand Kumar Sai
अध्यक्ष/Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi